HINDI

CS (Main) Exam:2015

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in HINDI (Devanagari Script).

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग *150* शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्‌घाटित हो सके : 10×5=50

(a) निर्गुन कौन देस को वासी?
मधुकर! हंसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हांसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारिं, को दासी?
कैसो वरन, भेस है कैसो, केहि रस कै अभिलासी।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे कहैगो गांसी।
सुनत मौन ह्वै रह्यौ ठग्यौ सो सूर सबै मति नासी॥

(b) तात राम नहि नर भूपाला। भुवनेश्वर कालहुँ कर काला॥
ब्रह्म अनामय अज भगवंता। व्यापक अजित अनादि अनंता॥
गो द्विज धेनु देव हितकारी। कृपासिंधु मानुष तनुधारी॥
जन रंजन भंजन खल व्राता। वेद धर्म रच्छक सुनु भ्राता॥
ताहि बयरु तजि नाइए माथा, प्रनतारति भंजन रघु नाथा॥
देहु नाथ प्रभु कहुँ वैदेही, भजहु राम विनु हेतु सनेही।
सरन गये प्रभु ताहु न त्यागा, बिस्व द्रोह कृत अघ जेहि लागा।
जासु नाम भय ताप नसावन, सोइ प्रभु प्रकट समुझु जियँ रावन॥

(c) मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ।
कहत नटत रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरै भौन मैं करत हैं नैननु हीं सब बात॥

(d) विश्व की दुर्बलता बल बने
पराजय का बढ़ता व्यापार
हंसाता रहे उसे सविलास
शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युतकण जो व्यस्त
विकल बिखरे हैं हो निरुपाय
समन्वय उसको करे समस्त
विजयिनी मानवता हो जाय।

(e) सबने भी अलग-अलग संगीत सुना
इसको
वह कृपा वाक्य था प्रभुओं का
उसको
आतंक मुक्ति का आश्वासन
इसको

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

वह भरी तिजोरी में सोने की खनक।
उसे
बटुली में बहुत दिनों के बाद अन्न की सोंधी खुशबू।
किसी एक को नयी वधू की सहमी सी पायल ध्वनि
किसी दूसरे को शिशु की किलकारी
एक किसी को जाल फँसी मछली की तड़पन—
एक अपर को चहक मुक्त नभ में उड़ती चिड़िया की।
एक तीसरे को मंडी की ठेलमठेल, ग्राहकों की आस्पर्धा भली बोलियाँ,
चौथे को मंदिर की ताल-युक्त घंटा-ध्वनि।
और पाँचवें को लोहे पर सधे हथौड़े की सम चोटें
और छठें को लंगर पर कसमसा रही नौका पर लहरों की अविराम थपक
बटिया पर चमरौधे की रुंधी चाम सातवें के लिए—
और आठवें को कुलिया की कटी मेड़ से बहते जल की छुल-छुल।
इसे गमक नट्टिन की ऐड़ी के घुँघरू की।
उसे युद्ध का ढोल।
इसे संझा-गोधूली की लघु टुन-टुन
उसे प्रलय का डमरू नाद।
इसको जीवन की पहली अंगड़ाई
पर उसको महाजृंभ विकराल काल
सब डूबे, तिरे, झिपे जागे
हो रहे वशंवद स्तब्ध
इयत्ता सबकी अलग-अलग जागी।

2. *(a)* मुक्तिबोध की कविता में आधुनिकताबोध के नये आयाम के साथ आत्मबोध के स्वर भी हैं। विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

(b) अवधी भाषा में रचित 'पद्मावत' प्रेम और दर्शन का अद्भुत महाकाव्य है। संवेदनशील उत्तर दीजिए। 15

(c) बिहारी के दोहों में नीति, भक्ति, शृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है। स्पष्ट कीजिए। 15

3. *(a)* सूर के काव्य में जितनी सहृदयता है उतनी ही वाग्विदग्धता भी। स्पष्ट कीजिए। 20

(b) 'रामचरितमानस' के बाद 'कामायनी' एक ऐसा प्रबंध काव्य है जो मनुष्य के सम्पूर्ण प्रश्नों का अपने ढंग से कोई न कोई सम्पूर्ण उत्तर देता है। विचार कीजिए। 15

(c) मैथिलीशरण गुप्त की आधुनिक हिन्दी कविता के विकास में जो भूमिका है उसे स्पष्ट कीजिए। 15

4. *(a)* 'राम की शक्तिपूजा' का आज के समय में नया पाठ क्या हो सकता है, स्पष्ट कीजिए। 20

(b) बाबा नागार्जुन नये काव्य में किन अर्थों में महत्त्वपूर्ण हैं, स्पष्ट कीजिए। 15

(c) दिनकर की रचनाओं के संदेश अपनी भाषा में लिखिए। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित गद्यांशों की लगभग *150* शब्दों में ससंदर्भ व्याख्या कीजिए और उसका सौंदर्य भी स्पष्ट कीजिए : 10×5=50

(a) स्थाविर चिबुक की चामत्कारिक औषधि और कांधारी फलों के रस से शरीर में शीघ्र ही रसवृद्धि होकर पृथुसेन की प्राणशक्ति सामर्थ्य अनुभव करने लगी। उसी अनुपात में दिव्या की स्मृति और उसके लिए व्याकुलता का वेग बढ़ने लगा। जीवन का पांसा फेंक कर प्राप्त की हुई सफलता दिव्या के अभाव में उसे निस्सार जान पड़ने लगी।

(b) होरी प्रसन्न था। जीवन के सारे संकट, सारी निराशाएँ मानो उसके चरणों पर लोट रही थीं। कौन कहता है जीवन-संग्राम में वह हारा है? यह उल्लास, यह गर्व, यह पुलक क्या हार के लक्षण हैं? इन्हीं हारों में उसकी विजय है। उसके टूटे-फूटे अस्त्र उसकी विजय-पताकाएँ हैं। उसकी छाती फूल उठी है। मुख पर तेज आ गया है।

(c) कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोक-सत्ता में लीन किए रहता है। उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है।

(d) मैं मानती हूँ माँ, अपवाद होता है। तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए यह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है ...।

(e) राष्ट्रनीति, दार्शनिकता और कल्पना का लोक नहीं है। इस कठोर प्रत्यक्षवाद की समस्या बड़ी कठिन होती है। गुप्त साम्राज्य की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ इसका दायित्व भी बढ़ गया है। पर उस बोझ को उठाने के लिए गुप्तकुल के शासक प्रस्तुत नहीं, क्योंकि साम्राज्य-लक्ष्मी को अब अनायास और अवश्य अपनी शरण में आने वाली वस्तु समझने लगे हैं।

6. *(a)* "भारतेन्दु के कुछ नाटकों में गदर की साहित्यिक प्रतिक्रिया प्रकट हुई है।" 'भारत दुर्दशा' के विशेष संदर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। 20

(b) राजेन्द्र यादव की कहानियों में समकालीनता का स्वर है, प्रतिपादित कीजिए। 15

(c) कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों की भावात्मक और विचारात्मक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए। 15

7. *(a)* 'स्कन्दगुप्त' नाटक प्रसाद के जीवन-मूल्यों का कौन-कौन संदर्भ उद्‌घाटित करता है? 20

(b) राजेन्द्र यादव की कहानियों की विशेषताएँ बताइए। 15

(c) 'ईदगाह' या 'पूस की रात' कहानियों में से किसी एक की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए। 15

8. *(a)* 'दिव्या' उपन्यास देश की गौरवगाथा मात्र नहीं है, अपितु आगे की दिशा भी तलाशती है। इस पर विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

(b) आंचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए। 15

(c) एक राजनैतिक उपन्यास के रूप में 'महाभोज' का विवेचन कीजिए। 15

★★★